

वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक: IMF

प्रलिस के लयः

IMF, वैश्वक वततीय स्थरता रपौर, वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक ।

मेन्स के लयः

महत्त्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय संस्थान, भारत के हतों पर देशों की नीतयों और राजनीतिका प्रभाव ।

चर्चा में कयों?

हाल ही में [अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष](#) (International Monetary Fund- IMF) ने अपनी [वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक \(WEO\)](#) रपौर जारी की है, जसने वर्ष 2023 के लय वैश्वक विकास के पूर्वानुमान को अद्यतन कया है ।

प्रमुख बडु

■ वैश्वक विकास में कमी:

- वैश्वक विकास जो वर्ष 2022 में 3.4% अनुमानत था, अब वर्ष 2023 में 2.9% तक गरिवट के बाद वर्ष 2024 में 3.1% तक बढने का अनुमान है ।
- हालाँकि IMF प्रभावी रूप से [वैश्वक मंदी](#) की संभवना को नकारता है ।
- वैश्वक [सकल घरेलू उत्पाद \(Gross Domestic Product- GDP\)](#) या प्रतिव्यक्ति वैश्वक सकल घरेलू उत्पाद में नकारात्मक वृद्धि अपेक्षति नहीं है जो अकसर वैश्वक मंदी होने पर देखी जाती है ।
- हालाँकि यह वर्ष 2024 में गतपिकड़ने से पहले वर्ष 2023 में वैश्वक विकास की उम्मीद करता है ।

■ मुद्रास्फीत में कमी:

- मुद्रास्फीत-वसिफीतः
 - वर्ष 2022 में मुद्रास्फीत चरम पर थी, जबकि अवस्फीत धीमी होगी और यह वर्ष 2023 और 2024 तक रहेगी ।
- हेडलाइन मुद्रास्फीतः
 - लगभग 84% देशों में वर्ष 2022 की तुलना में वर्ष 2023 में हेडलाइन [\(उपभोक्ता मूल्य सूचकांक\)](#) मुद्रास्फीत में कमी आने की उम्मीद है ।
- वैश्वक मुद्रास्फीतः
 - वैश्वक मुद्रास्फीत वर्ष 2022 के 8.8% (वार्षक औसत) से गरिकर वर्ष 2023 में 6.6% और वर्ष 2024 में 4.3% रहने की संभावना है, जो महामारी पूर्व (2017-19) लगभग 3.5% के स्तर से ऊपर थी ।
- मूल्य वृद्धि में कमी:
 - मूल्य वृद्धि दो मुख्य कारणों से धीमी हो रही है,
 - पहला, वशिव भर में मौद्रक सख्ती- उच्च ब्याज दरें वस्तुओं एवं सेवाओं की समग्र मांग को कम करती हैं और बदले में मुद्रास्फीत को धीमा कर देती हैं ।
 - दूसरा, लड़खड़ाती मांग के मद्देनजर वभिन्न वस्तुओं- ईधन और गैर-ईधन दोनों की कीमतें अपने हालया उच्च स्तर से नीचे आ गई हैं ।
 - वर्ष 2023 में उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रास्फीत 4.6% रहने की संभावना है, जबकि उभरती अर्थव्यवस्थाओं को 8.1% की मुद्रास्फीतिका सामना करना पड़ेगा ।

■ भारत सबसे तेज़ी से बढती अर्थव्यवस्था होगा:

- वर्ष 2023 और 2024 में भारत वशिव की सबसे तेज़ी से बढती अर्थव्यवस्था होगा ।
- भारत में विकास दर वर्ष 2022 के 6.8% से घटकर वर्ष 2023 में 6.1% हो जाएगी , जो बाहरी चुनौतयों के बावजूद लचीली घरेलू मांग के साथ वर्ष 2024 में 6.8% तक बढेगी ।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF):

परिचय:

- द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद युद्ध में तबाह हुए देशों के पुनर्निर्माण में सहायता के लिये **वैश्व बैंक** के साथ **अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष** की स्थापना की गई।
 - अमेरिका के ब्रेटन वुड्स में आयोजित एक सम्मेलन के दौरान इन दोनों संगठनों की स्थापना पर सहमति बनी। इसलिये इन्हें ब्रेटन वुड्स के जुड़वाँ संतानों यानी ब्रेटन वुड्स ट्विनिस के रूप में भी जाना जाता है।
- IMF की स्थापना वर्ष 1944 में हुई थी, यह उन 190 देशों द्वारा शासित और उनके प्रतिजिवाबदेह है जो इसके वैश्विक सदस्य हैं। भारत ने 27 दिसंबर, 1945 को IMF की सदस्यता ग्रहण की।**
 - IMF दिसंबर 1945 में औपचारिक रूप से अस्तित्व में आया।
- IMF का प्राथमिक उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक प्रणाली की स्थिरता सुनिश्चित करना है, यह वनिमिय दरों और अंतरराष्ट्रीय भुगतान की प्रणाली है जो देशों (और उनके नागरिकों) को एक-दूसरे के साथ लेन-देन करने में सक्षम बनाती है।
 - वर्ष 2012 में एक कोष के जनादेश के अंतर्गत वैश्विक स्थिरता से संबंधित सभी व्यापक आर्थिक और वित्तीय क्षेत्र के मुद्दों को शामिल करने के लिये इसको अद्यतित किया गया।

IMF द्वारा जारी रिपोर्ट:

- वैश्विक वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट**
- वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक**

वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक:

- यह IMF द्वारा किया जाने वाला एक सर्वेक्षण कार्यक्रम है जो **आमतौर पर अप्रैल और अक्टूबर के महीनों में वर्ष में दो बार प्रकाशित किया जाता है।**
- यह नफिट और मध्यम अवधि के दौरान वैश्विक आर्थिक विकास का विश्लेषण और भविष्यवाणी करता है।
- WEO की अद्यतन रिपोर्ट जनवरी और जुलाई में प्रकाशित की जाती है, इसके अलावा दो मुख्य WEO रिपोर्ट्स आमतौर पर अप्रैल और अक्टूबर में जारी की जाती हैं, ताकालिगतात पूरवानुमान अपडेट की बढ़ती मांग को पूरा किया जा सके।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न 1. "रैपडि फाइनेंसिंग इंस्ट्रूमेंट" और "रैपडि क्रेडिट सुविधा" नमिनलखिति में से कसिके द्वारा उधार देने के प्रावधानों से संबंधित हैं? (2022)

- एशियाई विकास बैंक
- अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष
- संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम वित्त पहल
- वैश्व बैंक

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- रैपडि फाइनेंसिंग इंस्ट्रूमेंट (RFI)** त्वरित वित्तीय सहायता प्रदान करता है, यह भुगतान संतुलन आवश्यकताओं का सामना करने वाले सभी सदस्य देशों के लिये उपलब्ध है। RFI को सदस्य देशों की वभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये तथा वित्तीय सहायता **कैअधिक लचीला बनाने हेतु IMF को** एक व्यापक सुधार के हसिसे के रूप में बनाया गया था। रैपडि फाइनेंसिंग इंस्ट्रूमेंट IMF की पूर्ववर्ती आपातकालीन सहायता नीतिकी जगह लेता है और इसका उपयोग वभिन्न परिस्थितियों में किया जा सकता है।
- रैपडि क्रेडिट सुविधा (RCF)** कम आय वाले देशों (LIC) की बिना कसिी पूर्व शरत के तत्काल भुगतान संतुलन (BoP) आवश्यकताओं की पूर्ति करता है, जहाँ एक पूरण आर्थिक कार्यक्रम की न तो आवश्यकता है और न ही यह व्यवहार्य है। RCF की स्थापना एक व्यापक सुधार के हसिसे के रूप में की गई थी ताकालिगतात सहायता को अधिक लचीला और संकट के समय LIC की वविधि ज़रूरतों के अनुरूप बेहतर बनाया जा सके।
- RCF के तहत तीन क्षेत्र हैं: (i) घरेलू अस्थिरता, आपात स्थिति जैसे स्रोतों की एक वसितुत शृंखला के कारण तत्काल BoP ज़रूरतों के लिये एक "रेगुलर वडि", (ii) अचानक, बहरिजात झटके के कारण तत्काल BoP ज़रूरतों के लिये एक "एक्सोजेनस शॉक वडि" और (iii) प्राकृतिक आपदाओं के कारण तत्काल BoP ज़रूरतों के लिये एक "लार्ज नेचुरल डिज़ास्टर वडि" जहाँ कषतासकल घरेलू उत्पाद के 20% के बराबर या उससे अधिक होने का अनुमान है।

प्रश्न. "स्वर्ण ट्रान्श" (रज़िर्व ट्रान्श) नरिदषिट करता है: (2020)

- वैश्व बैंक की एक ऋण व्यवस्था
- केंद्रीय बैंक की कसिी एक करिया को
- WTO द्वारा इसके सदस्यों को प्रदत्त एक साख प्रणाली को

(d) IMF द्वारा इसके सदस्यों को प्रदत्त एक साख प्रणाली को

उत्तर: (d)

प्रश्न. 'वैश्विक वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट' (2016) किसके द्वारा तैयार की जाती है?

- (a) यूरोपीय केंद्रीय बैंक
- (b) अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष
- (c) पुनर्निर्माण और विकास के लिये अंतरराष्ट्रीय बैंक
- (d) आर्थिक सहयोग और विकास संगठन

उत्तर: (b)

??????:

प्रश्न: विश्व बैंक और IMF, जिन्हें सामूहिक रूप से ब्रेटन वुड्स की जुड़वाँ संस्था के रूप में जाना जाता है, विश्व की आर्थिक एवं वित्तीय व्यवस्था की संरचना का समर्थन करने वाले दो अंतर-सरकारी स्तंभ हैं। विश्व बैंक और IMF कई सामान्य विशेषताओं को प्रदर्शित करते हैं, फरि भी उनकी भूमिका, कार्य और अधिदेश स्पष्ट रूप से भिन्न हैं। व्याख्या कीजिये। (मुख्य परीक्षा- 2013)

स्रोत: द हट्टि

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/world-economic-outlook-imf-5>

